न्यूज डायरी

अमेरिका से जंग की तैयारी में जुटा वेनेजुएला, देशभर में तैनात की तोपें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराकस। वेनेजुएला के राष्ट्रपति पर अमेरिका के इनाम घोषित करने के बाद यह लैटिन अमेरिकी देश अब किसी भी संभावित हमले की सूरत में जवाबी हमले की तैयारी में जुट गया है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने ऐलान किया है कि उन्होंने देशभर में तोपें तैनात करने का आदेश दिया है। मादुरो ने कहा कि उन्होंने देश के लोगों की रक्षा के लिए यह आदेश दिया है। दरअसल, मादुरो ने यह फैसला ऐसे समय पर लिया है जब अमेरिका ने मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में उन पर डेढ़ करोड़ डॉलर का इनाम घोषित किया है। मादुरो ने ट्वीट कर कहा कि मैंने देश के नागरिकों की सुरक्षा के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इलाकों में तोपें तैनात करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा, मैं कोलंबिया और अमेरिका से पोषित समूहों की निंदा करता हूं जो हिंसात्मक कार्रवाई के जरिए हमारे देश की स्थिरता को कमजोर करना चाहते हैं।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के कुल मामले 3,123 पहुंचे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पंजाब। पाकिस्तान में रविवार को कोरोना वायरस से संक्रमण के मामले बढ़कर 3,123 हो गए। सिंध को पीछे छोड़ते हुए इस वक्त कोरोना का केंद्र पंजाब प्रांत बन चुका है जहां रविवार तक तबलीगी जमात के 300 से अधिक सदस्यों में कोरोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि हो गई। यहां 24 घंटे में सबसे ज्यादा 184 नए मामले भी सामने आए। देश के राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाएं मंत्रालय के मुताबिक देश में कोरोना वायरस से अब तक 45 लोगों की मौत हुई है और 170 संक्रमित लोग ठीक हुए हैं। पंजाब में वायरस के 1380, सिंध में 881, खैबर–पख्तूनख्वा में 372, बलूचिस्तान में 192, गिलगित–बाल्टिस्तान में 206, इस्लामाबाद में 78 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 14 मामले सामने आए हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रविवार तक तबलीगी जमात के 300 से अधिक सदस्यों में कोरोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है।

चीन ने इटली को बेचे उसी से दान में लिए सुरक्षा उपकरण?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। चीन में जब कोरोना वायरस की त्रासदी अपने चरम रूप में थे, उस वक्त इटली ने चीन को पर्सनल प्रोटेक्शन इक्विपमेंट दान किए थे। अब जब इटली इस संकट के केंद्र में है, चीन वही उपकरण इटली को वापस बेचना चाहता है। एक अमेरिकी अधिकारी की ओर से यह दावा स्पेक्टेटर मैगजीन में किया गया है। बता दें कि चीन में अब तक3,329 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि अमेरिका में करीब तीन गुना, 9,172 लोगों की जान जा चुकी है। ट्रंप प्रशासन के एक सीनियर अधिकारी के हवाले से मैगजीन ने लिखा है कि चीन ने इटली पर दबाव डाला है कि वह उसे दिए गए उपकरणों को खरीदे। अधिकारी ने कहा है, श्यूरोप में कोरोना के आने से पहले इटली ने ये उपकरण चीन को भेजे थे ताकि वहां के लोगों को बचाया जा सके। चीन ने इसमें से कुछ उपकरण वापस इटली भेजे और उसके लिए इटली को चार्ज भी किया।

महारानी ने 67 साल में पांचवीं बार देश को किया संबोधित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। वैश्विक महामारी बन चुके किलर कोरोना वायरस के कहर से जूझ रहे ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने देश को संबोधित किया है। उन्होंने देशवासियों को भरोसा दिलाया कि इस महामारी के खिलाफ युद्ध में हम सफल होंगे। 67 साल के अपने शासन में पांचवीं बार दिए अपने भाषण में महारानी ने देशवासियों को सरकारी निर्देशों का पालन करने और एक–दूसरे की मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। `विंडसर कैस्टल से दिए अपने संबोधन में महारानी ने कहा, अगर हम एकजुट और दृढ़ प्रतिज्ञ रहे तो हम इस महमारी से उबर जाएंगे। महारानी यहां पर प्रिंस फिलिप के साथ आइसोलेशन में रह रही हैं।

कोरोना से जंग लड़ रहा सबसे मुश्किल हालात में पहुंचा अमेरिका

पर्ल हार्बर और 9/11 हमले जैसी स्थिति

महामारी

अमेरिका के सर्जन जनरल से चेतावनी दी है कि यह पर्ल हार्बर हमले की तरह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। कोरोना महामारी से जंग लड़ रहा अमेरिका अब अपने सबसे मुश्किल समय में प्रवेश कर गया है। रविवार को अमेरिका में करीब 1500 लोगों की मौत हो गई जो अपने आप में रेकॉर्ड है। इससे अमेरिका में मृतकों की संख्या 9100 पहुंच गई है। अमेरिका के सर्जन जनरल से चेतावनी दी है कि यह अमेरिका के लिए पर्ल हार्बर हमले की तरह से हो सकता है और देश में अशांति भड़क सकती है।

अमेरिका के सर्जन जनरल जेरोम एडम ने रविवार को कहा, ज्यादातर अमेरिकी लोगों के लिए यह सप्ताह सबसे कठिन और सबसे दुखद सप्ताह होने जा रहा है। यह हमारे लिए पर्ल हार्बर, 9/11 मूवमेंट होने जा रहा है। हालांकि यह केवल स्थानीय स्तर पर नहीं होगा। इस चेतावनी के बाद माना जा रहा है कि न्यूयॉर्क और मिशिगन में चल रहा कोरोना संकट अन्य राज्यों में बढ़ सकता है।

कई मामलों में नंबर वन अमेरिका अब कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले में भी नंबर वन हो गया है। अमेरिका में 3,21,000 से ज्यादा लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। इस पूरे संकट को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन विरोधियों के निशाने पर आ गया है। बिजनसमैन से राष्ट्रपति बने ट्रंप जल्द से जल्द देश के कई हिस्सों में चल रहे लॉकडाउन को खोलना चाहते हैं ताकि अर्थव्यवस्था को बचाया जा सके।

ट्रंप की योजना से विवाद बढ़ता जा रहा: हालांकि ट्रंप की इस योजना से विवाद बढ़ता जा रहा है। अमेरिका के हेल्थकेयर और महामारी के सलाहकार लोगों की जिंदगी को बचाने पर जोर दे रहे हैं। शनिवार को यह विवाद साफ तौर पर उस समय देखने को मिला जब ट्रंप ने कहा कि हम ने आने वाले कई महीनों तक यह लॉकडाउन जैसी स्थिति नहीं चाहते हैं। ट्रंप के बयान के बाद सर्जन जनरल जेरोम एडम ने कहा कि अमेरिका के लिए यह पर्ल हार्बर और 9/11 हमले जैसी स्थिति है। एडम ने कहा कि आने वाले सप्ताह हरेक अमेरिकी के लिए सबसे कठिन और दुखद होंगे।

इससे पहले ट्रंप ने भी चेतावनी दी थी कि आने वाले सप्ताह अमेरिका के लिए बहुत पीड़ादायक होंगे। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि एक निश्चित मौके पर हमें लॉकडाउन को लेकर फैसला करना होगा। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि कोरोना वायरस से देशभर में दो लाख से ज्यादा लोग मारे जा सकते हैं। उन्होंने कहा था कि अमेरिकी लोगों को कठिन समय के लिए तैयार होना होगा।

कोरोना वायरस का कहर, रूबी प्रिंसेस से डरा ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मेलबर्न। कोरोना संकट से जूझ रहे ऑस्ट्रेलिया में लग्जरी क्रूज रूबी प्रिंसेस ने सरकार से लेकर स्थानीय लोगों में दहशत पैदा कर दिया है। रूबी प्रिंसेस ने 19 मार्च को सिडनी बंदरगाह पर लंगर डाला था और इसमें सवार 2700 यात्रियों को घूमने दिया गया। वह भी तब जब कुछ लोगों में फ्लू जैसे लक्षण दिखाई दे रहे थे। अब इसके यात्रियों में से 340 को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है।

इस गंभीर लापरवाही के बाद अब ऑस्ट्रेलिया की पुलिस ने ऐलान किया है कि वह रूबी प्रिंसेस के संचालकों के खिलाफ आपराधिक जांच करेगी। इस दौरान यह भी देखा जाएगा कि जहाज के ऑपरेटर कार्निवाल ऑस्ट्रेलिया ने चालक दल और मरीजों के बारे में सही जानकारी दी या नहीं। न्यू साउथ वेल्स के हेल्थ मिनिस्ट्री ने बताया कि जहाज पर 340 यात्रियों को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है।

बताया जा रहा है कि चालक दल के 16 सदस्यों को भी कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। इसके अलावा 200 लोगों में कोरोना वायरस के लक्षण दखिाई दे रहे हैं। जहाज पर सवार 6 लोगों की मौत हो गई है। कहा यह भी जा रहा है कि 2700 यात्रियों में से कई लोग जहाज से उतरकर फरार भी हो गए हैं।

इक्वाडोर में लाशों से पटीं सड़कें, नहीं मिल रहे उठाने वाले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इक्वाडोर। कोरोना वायरस के कहर से लैटिन अमेरिकी देश इक्वाडोर में बुरा हाल है। लाशों से मुर्दाघर भर गए हैं और अब उन्हें सड़कों और घरों में रखना पड़ रहा है। कई–कई दिन तक ऐसे ही लाशें पड़ी हुई हैं। इक्वाडोर में लाशों से पटीं सड़कें, नहीं मिल रहे उठाने वालेलैटिन अमेरिकी देश इक्वाडोर भी कोरोना वायरस की मार से पस्त हो गया है। इक्वाडोर के पश्चिमी शहर गुआयकिल में कोरोना के खौफ का आलम यह है कि सड़कें वीरान हो गई हैं। कोरोना की चपेट में आकर जान गंवाने वाले लोगों की लाशें सड़कों पर पड़ी हुई हैं लेकिन उठाने वाले नहीं मिल रहे हैं। कोरोना वायरस से इक्वाडोर में स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल हो गया है।

कोरोना वायरस से जूझ रहा देश, इलाज करने खुद मोर्चे पर उतरेंगे इस देश के पीएम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। कोरोना संकट से जूझ रहे देशवासियों को इस महामारी से उबारने के लिए आयरलैंड के प्रधानमंत्री लियो वरडकर ने फिर से डॉक्टरी की दुनिया में प्रवेश करने का फैसला किया है। राजनीति में आने से पहले डॉक्टर रहे वरडकर ने एक बार फिर से खुद को डॉक्टर के रूप में पंजीकृत कराया है। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि जिस क्षेत्र में उन्हें विशेषज्ञता हासिल है, उसमें वह हर हफ्ते सत्र तक सेवा देने को तैयार हैं।

`प्रधानमंत्री के प्रवक्ता ने कहा, वरडकर के कई परिवार वाले और मित्र हेल्स सर्विस में काम

डॉक्टर रहे भारतीय मूल के वरडकर ने फिर से डॉक्टर के रूप में पंजीकृत कराया

कर रहे हैं। इसके बाद भी पीएम इस महासंकट में अपनी एक छोटी सी मदद करना चाहते हैं।श आइरिश टाइम्ब्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएम को ऐसे लोगों को फोन पर सलाह देने का काम दिया जा सकता है जो कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। आयरलैंड में कोरोना संक्रमित लोगों को पहले फोन पर सलाह दी जाती है ताकि इस महामारी का संक्रमण कम से कम हो।

कैथोलिक देश में लिओ पहले गे प्रधानमंत्री: आयरलैंड जैसे कैथोलिक देश में लिओ पहले गे प्रधानमंत्री हैं।

वरडकर ने समलैंकिता के समर्थन में और एबॉर्शन के नियमों को उदार बनाए जाने के लिए अभियान चलाया था। इस बीच स्वास्य मंत्रालय ने भी पिछले सप्ताह बड़े पैमाने पर भर्ती अभियान शुरू किया है ताकि स्टाफ की कमी को पूरा किया जा सके। स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि जो हेल्थकेयर विशेषज्ञ अभी अपनी सेवाएं नहीं दे रहे हैं, वे भी खुद को रजिस्टर करें। आयरलैंड में रविवार को कोरोना वायरस के 390 नए मामले सामने आए थे। इससे आयरलैंड में कुल संक्रमित लोगों की संख्या 4,994 पहुंच गई। देश में अब तक 158 लोग इस महामारी से मारे गए हैं।

ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन को अस्पताल में भर्ती कराया गया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। कोरोना वायरस से पीड़ित ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रविवार देर रात ब्रिटिश पीएम के कार्यालय ने जानकारी देते हुए बताया कि जॉनसन में अब भी कोरोना के लक्षण दिख रहे हैं और उन्हें टेस्ट के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

`10 दिन पहले बोरिस जॉनसन के कोरोना से पीड़ित होने की पुष्टि हुई थी। ब्रिटिश पीएमओ ने कहा, उन्हें एक अस्पताल नें डॉक्टरों की सलाह पर भर्ती कराया गया है, हालांकि इमर्जेंसी की कोई स्थिति नहीं हैं और जॉनसन ही सरकार के मुखिया के तौर पर काम करते रहेंगे। पीएमओ ने इसे ऐहतियाती कदम बताया है। 26 मार्च को कोरोना की पुष्टि होने के बाद ब्रिटिश पीएम को डाउनिंग स्ट्रीट स्थिति उनके आधिकारिक आवास पर क्वारंटीन किया गया था। आइसोलेशन के दौरान भी ब्रिटिश पीएम ने अपना जरूरी कामकाज जारी रखा है और कई वीडियो संदेश भी जारी किए है। शुक्रवार को ही जारी एक वीडियो मेसेज में 55 वर्षीय जॉनसन ने जनता को बताया था कि वह पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं।